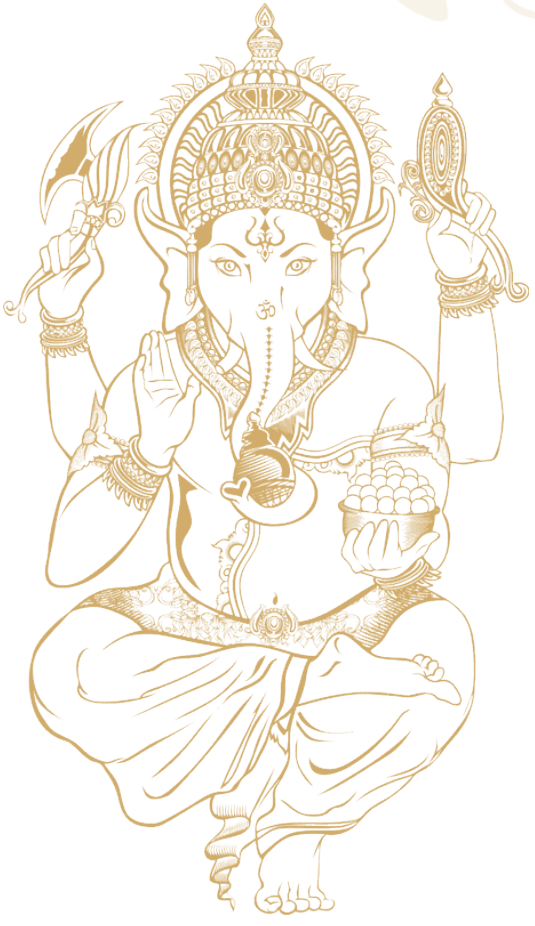

Tanisha

01 Nov 2005

06:01 AM

Sanchor

Model: web-freekundliweb

Order No: 120967002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/11/2005**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**06:01:48 घंटे**
इष्ट	58:01:56 घटी
स्थान	**Sanchor**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:45:00 उत्तर
रेखांश	71:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:42:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:19:28 घंटे
वेलान्तर	00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	08:01:05 घंटे
सूर्योदय	06:49:01 घंटे
सूर्यास्त	18:02:47 घंटे
दिनमान	11:13:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:44:56 तुला
लग्न के अंश	03:22:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:22:58	321:54:38	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			तुला	14:44:56	01:00:03	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			तुला	02:20:06	12:49:39	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
मंगल	व		मेष	23:18:40	00:21:01	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	07:56:49	01:06:56	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु		अ	तुला	07:20:48	00:13:02	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	01:43:24	01:01:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			कर्क	16:57:04	00:02:21	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:38:48	00:01:13	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:38:48	00:01:13	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	13:00:00	00:00:45	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	20:53:13	00:00:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	28:48:12	00:01:44	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कर्क	04:13:50	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:13

लग्न-चलित

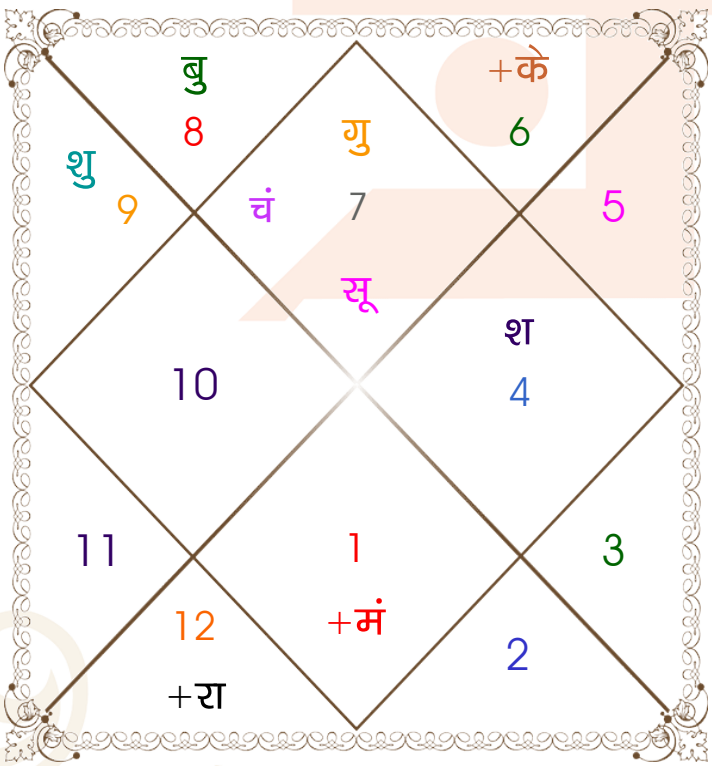

चन्द्र कुंडली

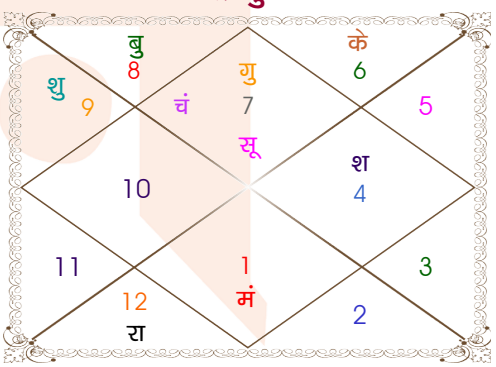

नवमांश कुंडली

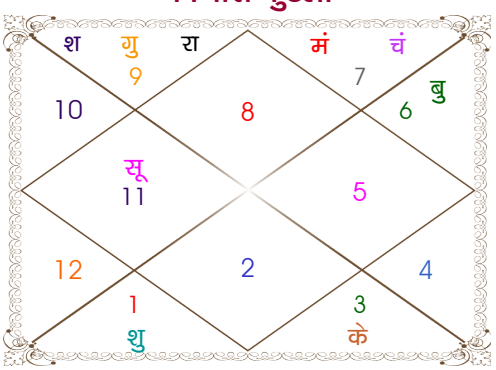

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 3 मास 8 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/11/2005		09/02/2008		09/02/2026		09/02/2042		09/02/2061	
09/02/2008		09/02/2026		09/02/2042		09/02/2061		09/02/2078	
	00/00/0000	राहु	23/10/2010	गुरु	29/03/2028	शनि	12/02/2045	बुध	08/07/2063
	00/00/0000	गुरु	17/03/2013	शनि	10/10/2030	बुध	23/10/2047	केतु	04/07/2064
	00/00/0000	शनि	22/01/2016	बुध	15/01/2033	केतु	01/12/2048	शुक्र	05/05/2067
	00/00/0000	बुध	10/08/2018	केतु	22/12/2033	शुक्र	31/01/2052	सूर्य	11/03/2068
	01/11/2005	केतु	29/08/2019	शुक्र	22/08/2036	सूर्य	12/01/2053	चंद्र	10/08/2069
केतु	03/01/2006	शुक्र	29/08/2022	सूर्य	10/06/2037	चंद्र	14/08/2054	मंगल	07/08/2070
शुक्र	05/03/2007	सूर्य	23/07/2023	चंद्र	10/10/2038	मंगल	22/09/2055	राहु	24/02/2073
सूर्य	11/07/2007	चंद्र	21/01/2025	मंगल	16/09/2039	राहु	29/07/2058	गुरु	02/06/2075
चंद्र	09/02/2008	मंगल	09/02/2026	राहु	09/02/2042	गुरु	09/02/2061	शनि	09/02/2078

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/02/2078		09/02/2085		10/02/2105		10/02/2111		10/02/2121	
09/02/2085		10/02/2105		10/02/2111		10/02/2121		00/00/0000	
केतु	08/07/2078	शुक्र	10/06/2088	सूर्य	30/05/2105	चंद्र	11/12/2111	मंगल	09/07/2121
शुक्र	07/09/2079	सूर्य	10/06/2089	चंद्र	29/11/2105	मंगल	12/07/2112	राहु	27/07/2122
सूर्य	13/01/2080	चंद्र	09/02/2091	मंगल	06/04/2106	राहु	10/01/2114	गुरु	03/07/2123
चंद्र	13/08/2080	मंगल	10/04/2092	राहु	28/02/2107	गुरु	12/05/2115	शनि	11/08/2124
मंगल	09/01/2081	राहु	11/04/2095	गुरु	18/12/2107	शनि	11/12/2116	बुध	08/08/2125
राहु	28/01/2082	गुरु	10/12/2097	शनि	29/11/2108	बुध	12/05/2118	केतु	02/11/2125
गुरु	04/01/2083	शनि	10/02/2101	बुध	05/10/2109	केतु	11/12/2118		00/00/0000
शनि	12/02/2084	बुध	11/12/2103	केतु	10/02/2110	शुक्र	11/08/2120		00/00/0000
बुध	09/02/2085	केतु	10/02/2105	शुक्र	10/02/2111	सूर्य	10/02/2121		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 3 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।